

ie Kirlampudi Sugar Mills Staff & Worker's Union,
(REGD. NO 2242 & RECOGNISED.)

PITHAPURAM.

(East Godavari District)

ANDHRA PRADESH

Car. Ref.

Date 13.12.65

From Yerramilli Narasimha Rao,

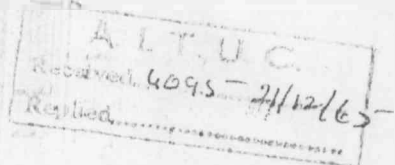
Social Secretary

Andhra Pradesh Sugar Workers Federation

B/64 Bhowalpala, PITHAPURAM, E.G. DISTRICT

To The President,

A. I. T. U. C., New Delhi.



Sir,

Sub: Clarification Section 13 of the Bonus Act 1965

I request you to kindly clarify the Section 13 of the Bonus Act 1965 along with Section B P 10 also.

I understand from the Board act as follows:-

Minimum bonus of 4% or Rs 40/- to each worker, whichever is higher and 20% as the maximum should be got as bonus:

The minimum bonus which is equivalent to 4% of the total basic wages and D.A paid during the year (Excluding all other allowances and other bonuses such as production bonus, attendance bonus, statutory attendance bonus etc.) or Rs 40/- to each worker, whichever is higher. This amount of Rs 40/- would be payable to workers who have worked for all the working days of the year (including periods of privilege leave and maternity leave with pay, casual & sick leave with pay)

In the case of children the minimum should be equivalent to 4% of their total basic wages and dearness allowance, or Rs 25/- whichever is higher.

For employees who have worked for lesser period, the amount payable would be pro-rata.

The maximum bonus should be equivalent to 20% of the total basic wages and D.A paid during the year.

Note:-

Clarification required:-

As per the Bonus Act 1965 under Section 10, it was stated, "Subject to Section B P 10" the bonus should be paid. Section 13 clearly stated "for employees who have worked for a lesser period, the amount payable would be pro-rata." Section 8: stated minimum attendance to qualify for Bonus is 30 days.

Hence the workers who are working in seasonal character of factories etc., will get only lesser amount of bonus as per the Section 13 of the Bonus Act 1965 for the period they have worked (and the total wages including D.A it should be calculated @ Rs 40/-). i.e. if a worker for 120 days and gets a total wage of Rs 400/-, he will get

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लॉईज यूनियन

श्री गंगानगर

नं० ५१२/६५

तारीख 14/12/65
18th292
Com. Satish j.

4058 20/12/65

As you might be knowing, this Union is affiliated with AITUC. There is another Union also in the mill viz the Ganganagar Sugar mill. Rashtraiya Mazdoor Congress, which is affiliated to INTUC. Shri Kashi Nath Pandey MP and the President of INTUC Federation of Sugar mill workers usually visits once in the crushing season.

There is a good contingent of workers from U.P. & Bihar and his visit is very much helpful to the INTUC Union.

our Union is a new one, has won the allegiance of many workers, but they are not fully aware with all the implications of the Sugar Wage Board and moreover it would be much helpful to them to contact the U.P. & Bihar workers if a comrade from U.P. only once visits this place in this crushing season which has just started and will last till the end of March, 66 perhaps.

X S.
11.3

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लॉईज यूनियन

श्री गंगानगर

नं०

तारीख

- 2 -

He will not only guide our Union workers in formulating their demands and seeing proper implementation of the Wage Board but will be helpful in contacting the I.P. workers.

So please send our Comrade from U.P. working in Sugar Unions for at least two days as early as possible and inform us before hand about his program so that I may also be available here. Kindly inform me at my permanent home address which is as under: -

Com. Roshan Lal
36, Sadul Colony
Bikaner.

Kindly treat this as Most Urgent and reply soon.

Yours comradely

T.,
Com. Satish Lomha,
Secretary,
AITUC,
Rani Thansi Road,
New Delhi

Rohal

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लॉईज यूनियन

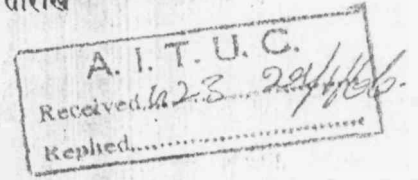
श्री गंगानगर

नं० ४३५/६६

तारीख २६-१-६६

202

श्रीमान जी० ई० जी० साहिब,
दी गंगानगर शुगर मिल्स लि०,
श्री गंगानगर ।



विषय- बड़ी हुई मंहगाई दिलाने हेतु (यानि ११) और १३)को ।

श्री मान जी,

- १- उपरोक्त विषय में चापकी सेवा में पत्र संख्या २८४।६५ दिनांक १३-८-६५, व पत्र संख्या ३५४।६५ दिनांक १५-१०-६५, व पत्र संख्या ३७४।६५ दिनांक ३-११-६५, व पत्र संख्या ४२६।६६ दिनांक १३-१-६६ को विये परन्तु फिर भी अभी तक बड़ी हुई मंहगाई नहीं दी गई है। जबकि उतर प्रदेश की सब मिलों में अब ही काफी समय पहले ही जुलाई १९६५ से दी जा चुकी है।
- २- इस कठिन मंहगाई के समय में बड़ी हुई मंहगाई न मिलने मिल के कारण से हर कर्मचारी में बहुत ज्यादा बैधनी है।
- ३- जब कि दिनांक २२ दिसम्बर १९६५ की बोर्ड की मितिग में यह बड़ी हुई मंहगाई पास हो चुकी है और जिसको कि हेड ऑफिस जयपुर वाले इसको कल्पना चाहते हैं।
- ४- सौ इन हालात को मद्दे नजर रखते हुये यूनियन को मजबूर होकर के यह कदम उठाने पर आभादा हुई है और यह नोटिस देता है कि अगर इस माह जनवरी की तरखाइ के साथ यह बड़ी हुई मंहगाई एरीयर सहित नहीं लाई गई तो दिनांक ३-२-६६ को सुबह १० बजे से मूख हस्पताल पर दो कर्मचारी बैठ जायेंगे।

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लोईज यूनियन

श्री गंगानगर

नं०

तारीख

-२-

और उसकी पुनर्मेवारी मनेजमेन्ट की होगी यूनियन की नहीं। क्यों कि यूनियन लगातार इस विषय पर काफी दिनों से लिखी जा रही है और मनेजमेन्ट की तरफ से अभी तक कोई भी तसल्ली बक्स जवाब न मिलने के कारण यूनियन को मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा है।

आशा के साथ

S/d —

जनरल सेक्रेटरी

प्रतिलिपि -

- १- श्रीमान मुख्य मन्त्री जयपुर, राजस्थान।
- २- श्री मथुरादास जी माथुर, जयपुर।
- ३- श्री मान लेबर मिनिस्टर, जयपुर।
- ४- श्री जी० एल० मेहता सी० आर्च० सी०, जयपुर।
- ५- श्री मान सेक्रेटरी जी एस स्म जयपुर।
- ६- श्रीमान सेक्रेटरी ए० आर्च० टी० यू० सी० जयपुर।
- ७- श्री मान सेक्रेटरी आर० टी० यू० सी० जयपुर।
- ८- श्रीमान लेबर कमीश्नर जयपुर।
- ९- श्रीमान ज्वाइन्ट लेबर कमीश्नर जोधपुर।
- १०- ट्रेड यूनियन काउन्सिल बीकानेर।
- ११- श्रीमान फ्लेक्टर साहिब, श्री गंगानगर।
- १२- श्रीमान सुपरीटेंट पुलिस, श्री गंगानगर।
- १३- श्रीमान फौजदारी इन्स्पेक्टर, श्री गंगानगर।
- १४- नोटिस बोर्ड।

जनरल सेक्रेटरी

दी गंगानगर शुगर मिल्स,

एम्प्लोईज यूनियन, श्री गंगानगर।

292

5 January 1965

Com. Yerramilli Narasimha Rao,
Secretary,
The Kirlampudi Sugar Mills Staff & Workers Union,
PITHAPURAM, E. Godavari Dt.,
Andhra Pradesh

Dear Comrade,

Your letter of 12.12.65. We regret the delay in reply.

The Bonus Act is not specific in relation to seasonal factories but the term "working days" should be suitably interpreted in relation to such factories. That is, the actual "working days" in the seasonal factories should be counted and if a worker has put in work on all such working days, he will be entitled to get Rs.40 and pro rata reduction will be in relation to the number of days actually worked by the factory. Moreover, under Section 14 provides that periods of lay-off, etc. should be ~~included~~ included in calculating attendance and the period the seasonal factory is not working should be taken as if the worker is on lay-off in which case, such days should be added on to the days worked, in working out pro rata.

It is, of course, open to the union to negotiate a settlement on bonus, outside the Bonus Act, if terms are more favourable. If your dispute relating to 1962 was pending before appropriate authority, then provisions of the Bonus Act can be invoked.

With greetings,

Yours fraternally,

S.
(Satish Lomba)
Secretary

292

21/2/66

रजि० नं० ४८८८

१६४८-४६

—: शकर मिल मजदूर यूनियन :—

अध्यक्ष—जयदेव कापूर

प्रधान मंत्री—रामावतार शर्मा

शुगर मिल कालोनी, हरदोई

सेवा—

श्रीमान् प्रबन्धक गण,

लक्ष्मी शुगर एण्ड आयल मिल्स लि०

हरदोई

महोदय,

यह पत्र किन्हीं विशेष परिस्थितियों से बाध्य होकर आपको लिख रहा हूँ। जैसा आपको विदित ही है कि मिल प्रबन्धकों की श्रम विरोधी नीतियों के विरुद्ध मिल मजदूरों में असंतोष की भावना बढ़ती ही जा रही है। प्रबन्धक गण इस असंतोष की भावना को कुचलने के लिये सब प्रकार के कुचक्र रचते रहे हैं। संगठित मजदूर आन्दोलन और मजदूर नेताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। मजदूर यूनियन के प्रधान मंत्री श्री रामावतार शर्मा पिछले २० महीने से निलम्बित हैं। केन जमादार श्री छोटेलाल को अकारण बर्खास्त कर दिया गया है। "आचरण संहिता" अलग किसी अज्ञात स्थान में दफना दी गई है और प्रबन्धक गण प्रत्येक विवाद को अदालत में ले जाने के लिये कटिबद्ध हैं। 'वेज बोर्ड' के फिटमेंट पिछले पाँच वर्ष से खराब में पड़े हैं। वोनस में दिन प्रति दिन कटौती होती जा रही है। पिछली सुविधाएँ भी एक एक करके छिनती जाती हैं। कार्य बढ़ता जा रहा है, मजदूरों की संख्या में कमी होती जाती है। कमर तोड़ मेहनत के बाद भी मजदूर को चैन नहीं। जिन्दगी सुझल है, मौत आसान है।

अब पानी हंसारे सिर के ऊपर तक पहुँच चुका है। मजदूर यूनियन की कार्य-कारिणी ने दिनांक ३१-१-६६ को सम्पूर्ण स्थिति का सर्वेक्षण किया और सर्व सम्मति से निश्चित किया कि मजदूर के आत्म सम्मान का तकाजा है कि वह अपने पैरों पर मजबूती के साथ खड़ा हो और मुक्ति के लिये संघर्ष करे। मीटिंग के निश्चयानुसार हम इस पत्र द्वारा आप को नोटिस दे रहे हैं कि इसकी प्राप्ति के बाद १५ दिन तक हम प्रतीक्षा करेंगे कि आप अपनी नीतियों को बदलेंगे तथा मजदूरों के निम्नलिखित मांगों के सम्बन्ध में न्यायोचित निर्णय लेंगे। इसके अभाव में हम बाध्य होंगे उक्त अवधि के बाद, कोई बठोर कदम उठाने के लिये। फिर परिणाम जो कुछ भी हो उनका उत्तर दायित्व आप पर होगा।

आप पहला कदम प्रतिनिधित्व काल के लिये फैक्ट्री में २५ जनवरी को लाने के लिये होगा।

हमारी माँग है कि :-

- १— सम्स्त मिल मजदूरों के प्रिय नेता और मजदूर यूनियन के मंत्री श्री रामावतार शर्मा को अविलम्ब अपने स्थान पर बहाल किया जाय तथा अन्न तक की वकाया पूरी तनखाह, तरक्की तथा अन्य सब सुविधायें उन्हें दी जाय।
- २— श्री छोटेलाल जमादार (शुगर केन डिपार्टमेंट) को जिन्हें अनुचित रूप से बर्खास्त कर दिया गया है अपने स्थान पर बहाल किया जाय और उनकी बैठकी का पूरा वेतन तथा सुविधायें उन्हें दी जाय।

- ३— १ नवम्बर १९६० को जिस 'वेज बोर्ड' का फैसला लागू हो जाना चाहिये था और जो अब तक बहुत से मजदूरों पर लागू नहीं हुआ है और जिनके मुकदमों अब तक चल रहे हैं वे सब मुकदमों अदालतों से हटाकर उत्तर प्रदेशीय श्रम विभाग के किसी ऐसे अधिकारी को सुपुर्द कर दिये जायें जिसके पास समय हो और हरदोई में आकर एक सप्ताह ठहर कर अपना उचित फैसला दे जो कि उभयपक्ष को मान्य होगा ।
- ४— श्री हरिमोहन मिश्र, डिप्टी लेबर कमिश्नर के फैसले को मिल प्रबन्धकों ने गलत आँकड़ों देकर तथा तोड़ मरोड़ कर जिस प्रकार मजदूरों के हितों को उपेक्षा की है उसको जांच को जाय । फिटर्स की श्रेणी (पूल) गलत बना कर सर्व श्री दुखी, राजदेव और राधेश्याम फिटर को उनका उचित प्रमोशन न देकर उनके प्रति जो अन्याय किया गया है उसे दूर किया जाय ।
- ५— मिल के सभी मेटों को जिन्हें 'वेज बोर्ड' के पहले से ही उनको तनखाह को आधी रिटेनिंग मिलती थी 'वेज बोर्ड' की वजह से उनका तनखाह वढ़ गई परन्तु उन्हें रिटेनिंग अब भी पुरानी ही तनखाह से मिलती है इस अन्याय को तुरन्त दूर किया जाय । जैसे सर्व श्री सीतासिंह, फिल्टर प्रेस मेट, मुसाफिर सिंह, फिल्टर प्रेस मेट, रामकिशन, सेन्ट्रीफ्यूगल मेट और वट्टी केन कैरियर मेट आदि ।
- ६— सरकारी विशेषज्ञा द्वारा जो मजदूर फौकट्री एक्ट के अन्तर्गत सुविधायें नहीं पाते हैं वे शाप एण्ड कमर्शल एक्ट के अन्तर्गत सुविधा पाने के अधिकारी हैं और ऐसे मजदूरों को सूची तथा जिन सुविधाओं के वे अधिकारी हैं श्रमायुक्त महोदय तथा स्थानीय मजदूर यूनियन को दी जाय ।
- ७— राष्ट्रीय सुरक्षा कोष के निम्न राज्य स्तर पर जो निर्णय श्रमायुक्त महोदय के सामने लिया गया था अर्थात् सभी मिल कर्मचारी १० अक्टूबर १९६५ दिन रविवार को काम करेंगे और उनका एक दिन का वेतन मिल प्रबन्धक एकत्र कर तथा उतना ही धन राशि मिल से लेकर श्रमायुक्त महोदय के द्वारा उक्त सुरक्षा कोष हेतु भेज देंगे । इस निर्णय के अनुसार हमारी मिल में ५००) मासिक से नीचे वेतन पाने वाले कर्मचारियों का एक दिन का वेतन ले लिया गया, किन्तु ५००) प्रति माह से अधिक पाने वाले कर्मचारियों का उस दिन का वेतन लेकर तथा उतना ही धन मिल की ओर से मिला कर नहीं भेजा गया । यह सब धन अविलम्ब राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में भेज दिया जाय ।
- ८— सन १९६४-६५ का वोनस जो अब तक मजदूरों को नहीं मिला है, और बढ़ती मंहगाई की परेशानियां देखते हुए 'अन्तरिमरिलीफ' के रूप में मासिक वेतन का २० प्रतिशत प्रत्येक मजदूर को दे दिया जाय और अन्तिम निर्णय आने पर इसे 'एडजस्ट' कर लिया जाय ।
- ९— जो काम स्थायी रूप से मिल में होते रहते हैं वहां ठेकेदारी की प्रथा से काम न लिया जाय और उन स्थानों पर काम करने वाले मजदूरों को स्थायी बना दिया जाय । यथा:- पैकिंग हाउस शूगर गोदाम, फिल्टर प्रेस मड बाहर ले जाने वाले, चूना मट्टा पर सफाई-टुलाई का काम करने वाले, व्यलिंग हाउस में, वर्क शाप, में मिल के टुलाई घर में ।

- १०— किसी स्थायी जगह से जो कोई मजदूर रिटायर हो, मृत्यु हो अथवा इस्तीफा देकर चला जाय या बरखास्त होजाय उस स्थान की पूर्ति आवश्यक रूप से की जाय तथा जहाँ तक सम्भव हो नीचे के मजदूरों को तरक्की देकर अथवा सेवा से निवृत्त होने वाले मजदूर के निकट सम्बन्धी द्वारा पूर्ति की जाय ।
- ११— यदि किसी आफ् सीजन में कोई नया काम निकले तो उसके लिये सीजनल मजदूर को बिना किसी भेद भाव किये बुलाया जाय ठेकेदार के आदमियों द्वारा न कराया जाय और न ही नये अस्थायी आदमी लगाये जाय ।
- १२— आयल मैन, ग्रीस मैन, आदि को जो वरदी मिल को और से दी जातो है उसे अत्रिधि पश्चात वापस लेना बन्द किया जाय । सर्दी का ध्यान रखते हुये इन लोगों को जो वरदी के रूप में हाफ पैंट दी जाती है उसके स्थान में पूरा पैंट दी जाय । स्टोर में सेल आदि का काम करने वाले मजदूरों को भी वरदी दी जाय ।
- १३— 'वाच एण्ड वार्ड' के सिपाहियों को बरसात के दिनों में छाता के स्थान पर बरसाती कोट दिये जायें ।
- १४— सिंगल रुम क्वार्टरों के सम्बन्ध में जैसा आश्वासन मिल प्रबन्धकों की ओर से १७-२-६५ को दिया गया था अत्रिलम्ब चौविंसी घन्टे त्रिजली देने की व्यवस्था की जाय ।
- १५— बैरकों से सम्बन्धित रसोई खाने में बल्ब लगाने की अत्रिलम्ब व्यवस्था की जाय जैसा प्रबन्धक गण १७-२-६५ को आश्वासन दे चुके हैं ।
- वाच एण्ड वार्ड लाइनों में रहने वाले सिपाहियों के लिये पृथक शौचालय तथा स्नान गृह बनारें जायें ।
- १६— बढ़ती हुई मंहगाई को दृष्टि में रखते हुए तथा मजदूरों की सुविधा के लिये मिल प्रबन्धकों की ओर से एक सस्ता भण्डार का आयोजन किया जाय जिसमें दैनन्दिन आवश्यक सामान मुनासिब कीमत पर उपलब्ध हो ।
- १७ - 'शक्कर मिल मजदूर यूनियन हरदोई' मिल कर्मचारियों का सबसे पुराना, सबसे प्रिय और विश्वास-पात्र संगठन है इसे मान्यता प्रदान की जाय तथा कार्यालय के लिये समुचित साधन और सुविधायें प्रदान की जायें । यथा रीडिंग रुम टेबुल, अलमारियां, दरी, कानून सम्बन्धी साहित्य, समाचार पत्र, टाइप राइटर, तथा मासिक पत्रिकायें आदि ।

दिनांक १५ —२—१९६६

भवदीय—
जयप्रकाश कपूर

प्रधान

शक्कर मिल मजदूर यूनियन,
हरदोई

प्रतिलिपि :-

- १— माननीय अम मंत्री, उत्तर प्रदेश—लखनऊ
- २— ,, अमायुक्त, उत्तर प्रदेश—कानपुर
- ३— ,, सहायक अमायुक्त, उत्तर-प्रदेश—लखनऊ
- ४— ,, जिलाधीश—हरदोई
- ५— ,, सेक्टर इन्स्पेक्टर—हरदोई
- ६— ,, मंत्री, उत्तर प्रदेशीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस कानपुर
- ७— ,, मंत्री, अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस नई दिल्ली

जनसंजन प्रेस, हरदोई।

(20)

01225 88D/H 266 80

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT.

0 1035. 9 PONDICHERRY 12 0-38

355



288028

AITUCONG NEWDELHI

292

A.I.T.U.C
Received 6.27 14/2/66
Replied

SEQUEL CLOSURE BHARATHI TEXTILE MILLS THOUSAND SIX HUNDRED
WORKERS FAMILIES SINCE OCTOBER UNEMPLOYED UNDERGOING UNTOLD
HARDSHIP STARVATION STOP PRAY GOVERNMENT EXPEDITIOUS ACTION
FOR RELIEF AND TAKING MILL RESTORE WORK--- ARIYUR SUGAR MILLS
NATIONAL EMPLOYEES UNION----LN 327

ack-10 P

80

Handwritten scribbles and initials.



INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT



Class }
Prefix } Code _____ No. _____

Recd. from _____ Sent at _____ H. _____ M. _____ Office-station _____
By _____

TO _____
RECEIVED AT (Office of Origin) _____
RECEIVED AT (Office of Destination) _____

FOR RELIEF AND TAKING WILL RESTORE WORK--ARIYUR SUGAR MILLS
NATIONAL EMPLOYEES UNION--LN 327
HARSHI STARVATION STOP PRAY GOVERNMENT EXPEDITIOUS ACTION
WORKERS FAMILIES SINCE OCTOBER UNEMPLOYED UNDERGOING UNTOLE
SECURED CARE BHARATI TEXTILE MILLS THOUSAND 27X NUMBER

[1-20-5/63] 11/01/11-638-27-5-54-2,04,900 Dks.

April 21, 1966.

Extra

Memorandum on behalf of Kanpur Tannery & Leather Workers' Union, Kanpur, submitted to (1) Minister for Finance, Govt. of India; (2) Minister for Law, Govt. of India; and (3) Minister for Labour, Govt. of India, New Delhi.

Dear Sir,

We are constrained to inform you that the Cooper Allen and North West Tannery of B.I.C. are today threatened by a serious crisis, and unless the Government takes a decision to stop the rot nothing can stop these factories from a closure. We beg to submit the following facts for your urgent consideration.

1/ It is alleged that Mr. P.K. Sahgal was brought from the New Victoria Mills, Kanpur, in July 1965. The textile mill was managed by Mr. Sahgal for many years, and he left it in a state of economic crisis. Here is a man who is neither academically qualified nor does he possess any practical experience of a leather industry, and has mis-managed the New Victoria Mills. Yet he is brought to govern the affairs of the Cooper Allen.

2/ It is alleged that 80 tons of wattle extract (a product imported from East Africa) was sold to Pioneer Tanneries, Kanpur, for Rs. 1200/- per ton in last July. The market price at the time was Rs. 1800/- per ton. Thus a clear loss of Rs. 48,000 was incurred. The incident has many facets, for example

- (a) Cash Loss;
- (b) Fed a competitor with a material which was in acute shortage only to promote competition with Cooper Allen for leather product made out of it; and
- (c) the deal was put through a person, Mr. Alam, who is known to be a friend of Mr. Sahgal.

3/ It is alleged that Mr. Smith (General Manager of Cooper Allen upto the end of July 1964) under guidance of Mr. Wilcox, accumulated sub-standard stocks in the warehouses to the tune of more than one crore of rupees. These stocks, although sub-standard, were shown at full value on the books in order to conceal the incredible losses during his tenure of service in Cooper Allen. These stocks were sold at throw-away prices during 1965. It follows that the loss of Rs. 55 lakhs presumed to have been suffered in 1965 are to a great extent losses of '64. A check may be made to determine the actual loss incurred on stock held at the end of '64 as against the production losses of 1965. Meanwhile, Mr. Smith far from being dismissed was transferred to the realms of Head Office of B.I.C. and promoted to the rank of Master Planner.

4/ It is alleged that as though Mr. Smith was not content with concealing the actual losses during his regime, he introduced Mr. R. Poulter into the firm at the commencement of 1965 as an international expert of Leather Technology with vast experience as a raw stock purchaser. This Mr. Poulter, in order to justify his salary of Rs. 6000/- per month (tax free) plus car plus two months leave in England each year at the company's expenses, put into execution a process for the Chrome Tannery which involved concoction of unscientific fat liquering, and the elimination of bating. The bating process is a fundamental essential in the manufacture of Chrome Leather. It is important question whether any authority in India or the world for that matter would ever make Chrome leather for shoes without bating it. The process was in effect for 11 months (April 1965 to the end of February 1966). The leather, because of unscientific processing, was down graded as it cracked and the colour pealed off when the

SE
-
F

shoes were made from it. Never in the history of Cooper Allen was such inferior leather produced. Losses of lakhs of rupees can definitely be attributed to it.

5/ It is alleged that under the management of Mr. K. Smith Cooper Allen undertook to supply 3 lakhs of ammunition boots in 1964 at about Rs. 17/- per pair. At this price the firm lost Rs. 2/- per pair, thus incurring a grand loss of Rs. 6,00,000 on the boots accepted by the Government. During the inspection ~~20000~~ however, 40,000 pairs of boots were rejected. These 40,000 pairs were sold uncontested at Rs. 4/- or 5/- per pair in the year 1965. As the rejected boots also cost Rs. 19/- per pair to produce, and carried on the books at the end of 1964 at this price, a further Rs. 6,00,000 were lost but shown in the budgetary loss of 1965. All told Rs. 12,00,000 were lost but shown in the budgetary loss of 1965. The deal relates to the loss of Rs. 6,00,000 for 1964 and Rs. 6,00,000 during 1965. Compare the auction sales during 1963, 1964 and 1965 for the same items and you will find scandalously low sale prices during 1965 whereas prices for all commodities soared.

6/ It is alleged that hides from Australia, Rhodesia, Italy and East Africa were imported at a cost of approximately Rs. ten lakhs in 1965. The losses on these consignments were fantastic. These losses, to a great extent, have been concealed by showing recovery on splits. Splits are neither required by the company (shoe factory) nor is there any demand for them in the open market. A room, adjacent to the Chrome Tannery, is filled to the top with these splits. At a later stage, when the shock of such severe losses passes with the time, the stocks of splits will be removed to the auction yard and sold as rubbish.

7/ A masticator was brought for the rubber plant at a cost of Rs. 28,000 last summer. The masticator remains a sick child for it is unable to perform the work for which it was purchased. Who bought this masticator and what are his qualifications for the purchase of second machinery is a matter to be investigated. An enquiry into this matter will reveal the heartless waste of B.I.C. funds.

8/a Rs. 10,000 were spent on furnishing and reconditioning the bungalow occupied by the sales manager. Some other members of the senior staff have not even had their bungalows whitewashed for the past 2 years. Selection standards for both Chrome and particularly sole leather have been kept above market level for the distributor gains since Mr. Poulter took over the tanneries division. The object has been to give the distributors enhanced profits in 1965. The sales Deptt. have not objected as quick sales build up a reputation of live-wire salesmanship for them.

8/b It is alleged that one Mr. Malhotra entered into concern to buy sole and chrome leather in Oct. 1965. Prices in market had, as expected, go up by 40 paise per kg. for sole and 20 paise per kg. of chrome leather. But Mr. Malhotra continued purchasing at old prices during this time causing huge losses to the company.

9/ It is further alleged that the light sole leather (8 to 12 pounds) has been sold as medium sole. In fact it is not economical to do so. No other tannery sells light sole leather at the same price as medium sole, there being a difference of 30 paise per kg. which is charged extra for light sole. By this means lakhs of rupees have been to the distributors gain at Cooper Allen's expenses.

10/ It is also alleged that sales to Bata Shoe Co. have been extremely fishy. Take for example, shoes which were supplied in lakhs of pairs at Rs. 15/- each, during 1964, were retained by Bata at Rs. 25/- per pair. Even the Excise Department got suspicious, and filed a case against Cooper Allen on the ground that Cooper Allen was doing this to avoid extra excise

duty if the shoes were correctly priced. The leather sales too is a point open to very deep suspicion.

- 11/ It is alleged that the brand of Shoes termed as Super Strong has till the end of Feb. '66 been marketed at Rs. 16/- per pair for atleast two and a half years. As the production cost is Rs. 18/- per pair and Cooper Allen has been manufacturing 650 pairs a day, the nett loss on this item alone is Rs. 1300/- per day. Only since March 1, '66 has the price been raised to Rs. 19/- per pair.
- 12/ The peculiarity of shoe sale is unbelievable. The average selections on the monthly production shoes is

1s .. 40% 2s .. 50% Rejects .. 10%

As 2s are Rs. 3/- cheaper there is an exceptionally strong demand for them. A mockery of buying no. 1s is regularly made but most of these are returned by the distributors at Cooper Allen's expenses, unpacked, reconditioned and then re-sold in Cooper Allen Retailshop as no. 2s or even rejects. It is indeed intriguing to observe that the greater percent- age of no. 1s are down graded to no. 2s in subsequent months. One wonders what is the purpose of maintaining a very costly quality Control Department when down-grading is dependant on the whims and fancies of the distributors. Cooper Allen manufactures 4000 pairs a day and this peculiar system accounts for astronomical losses.

It is alleged that in the vegetable tannery department the machines are tightened in order to reduce the thickness of the leather. Thus the weight is correspondingly lowered for the ultimate gain of the distributor. For the distributor buys light sole at the inferior price of medium. This causes loss to the factory for which Mr. Mason is responsible.

- 13/ It is alleged that Sri Sriprakash, Chairman of Board of the Directors of B.I.C. who took over in 1965 was expected to stand against corruption prevailing under Messrs Smith and Wilcox and salvage (B.I.C.) Cooper Allen from total ruin, but he himself fell a prey to corrupt practices and permitted Mr. Smith and Wilcox to appoint his son, Mr. Yashwardhan, as store purchase officer of sugar branches of B. I. C. in January, 1966.

- 14/ All the above facts go to show how Messrs. Smith and Wilcox are mismanaging and leading B.I.C. to ruin. But this is only half of the story. The present management led by Mr. Smith and Mr. Wilcox has also struck hard at the rights of the workers which is proved by the following facts.

-----welfare committee and production committee were got-----
delected with great difficulty but these have been
deprived of its rights to the extent that even when
the member of the welfare committee try to protest
against the corrupt practices they are insulted and
humiliated and threatened by dismissal.

-----Despite the Factory Act which says that when-----
a workman has put in for 240 days continuous service
during a year he should be made permanent. There
are more than 25% Labour which is temporary and in-
addition to counter our demand they have started
putting temporary labour under contract labour which
means enslaving labour practice consequently the
temporary labour is being today hired at 50 paise per
day basic wages.

-----After the INDUSTRIAL TRUCE RESOLUTION 1962-63 signed
in good faith and zeal we had expected that
the management will stop its attack on the workers
and their rights but they retrenched more than 1000
workers so as to deprive them of their rights and
when reinstated them as temporary labour without any rights.

-----It is alleged that the General Manager, Ex-Officio President of the Cooper Allen Credit Cooperative Society has also landed the society in a loss of about Rs. 1,75,000/-.

-----That the management resorts to unfair labour practice to dismiss those workers and trade union leaders who dare raise their voices against the mismanagement and conspiratorial acts of Mr. Smith and Mr. Wilcox. For example Mr. Nanhoj Khan; Mr. Brij Kishore ; Mr. S.B. Awasthi; Mr. ~~XXXXXXXX~~ K.C. Tiwari and Mr. Harison were dismissed.

OUR DEMANDS

Therefore in view of the above facts we demand that an ENQUIRY COMMISSION be instated to enquire into the above allegations.

AND

Sri Sriprakash be immediately replaced from the chairmanship of the Board of Directors by a more principled and strong charactered person who may not be enticed by Messrs. Wilcox and Smith.

Messrs Smith and Wilcox be immediately removed from B.I.C.

All the fat salaried persons appointed by Messrs Wilcox and Smith be removed from the B.I.C.

Contract labour system be abolished in such a nationally important and defence oriented old enterprise like Cooper Allen and North West Tanneries and all those who have completed 240 days service continuously for during a year i.e. 1963-64 and onwards be made permanent immediately.

The Wage freeze enforced after the Industrial Truce Resolution in 1962-63 be lifted and the increased workload be compensated by adequate increase in wages.

Welfare Committee and production committee should be combined into one and given due powers to get a share in the management.

Hoping to hear of an immediate decision and action, we are

Yours faithfully,

(Shiv Sharma)
President.



.....
Copy forwarded to Members of the Parliament.
Copy forwarded to Members of U.P. Assembly and Council
for information and necessary action.
.....

- Copy also forwarded to :
- 1/ The Prime Minister, Govt. of India, New Delhi.
 - 2/ The Home Minister, Govt. of India, New Delhi.
 - 3/ The President and Secretary, A.I.T.W.C.
 - 4/ The President and Secretary, ~~XXXXXX~~ I.N.T.U.C./U.T.U.C.
 - 5/ The President and Secretary, H.M.S.

.....
Copy forwarded for information and necessary action to:

- 1/ The Chief Minister/Labour Minister, Govt. of U.P., Lucknow.
- 2/ The District Magistrate, Kanpur.
- 3/ The Labour Commissioner, U.P., Kanpur.
- 4/ Deputy Labour Commissioner, Kanpur Region, Kanpur.
- 5/ The Secy. to Govt., U.P., Labour Deptt., Lucknow.

.....
Copy forwarded to the Labour Commission, Kanpur.
.....

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लॉईज यूनियन

श्री गंगानगर

पत्रिका माफिस:-

उदयपुर

सम्बन्धित:-

१ राजस्थान ट्रेड यूनियन कांग्रेस जयपुर

२ अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस दिल्ली

क्रमांक

दिनांक १६

इसके अतिरिक्त मजदूरों को जोर लागाने लगे हैं। इन्होंने जोर
 भी मिलाने का प्रयास किया है और जोर को सब जगह इतना ही
 दुबला कर दिया है कि अब मजदूरों का काम करना ही संभव नहीं
 है। इस लिए इतना ही जोर मजदूरों को लगाने का प्रयास किया जाये
 इसके साथ ही मजदूरों को हर जगह मजदूरों को पूरा करने का प्रयास
 करना ही सही होगा।

उपरोक्त मुद्दों को सादर टिप्पणी के साथ मजदूरों को
 मजदूरों के साथ पूरा करने का प्रयास है। और जोर को मजदूरों ने इस मामले
 में इस मामले में सहायता प्रदान की है। जोर को मजदूरों को ही
 मजदूरों को ही इस लिए पूरा सहायता रहेगी। यदि इस मामले
 में मजदूरों को ही इस लिए पूरा सहायता रहेगी। यदि इस मामले
 में मजदूरों को ही इस लिए पूरा सहायता रहेगी। यदि इस मामले
 में मजदूरों को ही इस लिए पूरा सहायता रहेगी। यदि इस मामले

अतः आप को अनुरोध है कि आप इस मामले में शीघ्र ही
 शीघ्र ही सहायता प्रदान कर सकें।

cc to 60/66 A/26-5-66
 A Gen Secy
 A.I.T.U.C New Delhi

मजदूर: मजदूर
 Y. M. ...

दी गंगानगर शुगर मिल्स एम्प्लॉईज यूनियन

श्री गंगानगर

पत्रिका क्रमांक:-

उदयपुर

सम्बन्धित:-

- १ राजस्थान ट्रेड यूनियन काँग्रेस जयपुर
- २ प्रखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस दिल्ली

क्रमांक

दिनांक 12-5-1966 १६

AITUC
 Received 28.03.12/5/66
 Replied

The Chief Executive Officer,
 The Ganganagar Sugar Mills Ltd.,
 Sri Ganganagar.

Grant of wheat loan to the
 workers of the factory.

Sir,

The union takes this privilege to request your goodself to sanction advance to the workers of the factory for the purchase of the wheat, during this year. It may be recalled that the Management was pleased to sanction two month's salary to the workers for purchase of wheat.

2. It may be noted that this year there has been a great draught and there is acute scarcity of food grain in the market and the workers are feeling utmost inconvenience in procuring for the wheat. It is, therefore, requested that the workers may kindly be sanctioned two months salary as wheat loan.

3. However, looking to the stringent financial position, it is requested that about 3000 or more, quintals of wheat may kindly be purchased from the local market and it should be distributed to the workers through Retail Shop on no profit no loss basis. However, we may bring to your kind notice that this bargain should not be entrusted to the Cooperative Stores, as it is not credible and there has been a great misappropriation in this Cooperative Stores, which would be brought to light at a proper time.

4. In the conclusion we are sure that you would be good enough to sanction two months salary to the workers as wheat loan or in the alternative to arrange for the wheat to be distributed through the Retail shop.

Thanking you,

Yours faithfully,


General Secretary,

no 27/66

dt 12.5.66

c.c. to the:

1. Hon'ble Chief Minister of Rajasthan, Jaipur.
2. Chief Secretary to the Govt. of Rajasthan, Jaipur.
3. Labour Minister, Rajasthan, Jaipur.
4. Hon'ble Planning Minister, Rajasthan, Jaipur.
5. Director-in-charge, The G.S.M. Ltd., Jaipur.
6. The Secretart, The G.S.M. Ltd. Jaipur.
7. Labour Commissioner, Rajasthan, Jaipur.
8. Food Commissioner, Rajasthan, Jaipur.
9. Hon'ble Food Minister, Rajasthan, Jaipur.
10. Secretary to the Govt. of Rajasthan in State Enterprises Deptt. Rajasthan, Jaipur.
11. Secretart, A.I.T.U.C. Rajasthan, Jaipur.
12. Secretary, A.I.T.U.C. 5 E Jhandewala, New Delhi.


General Secretary.

PHALTAN TALUKA SAKHAR KAMGAR UNION

SAK HARWADI.

(Registered, Represented, Approved)

LOCAL AREA : PHALTAN TALUKA

: Head Office :

P. O. SAKHARWADI
(Dist. N. Satara)

D.O. No. 765/66

T.I.C.
3416-16/7/66

Date 28/10/1966

मा. सेक्रेटरी,
A-I.T.U.C. न्यू दिल्ली-

मान, स. न. वि. वि.

महाराष्ट्र,

(1) आपकी दि. 21.6.66 कोठी नं. 409/66 का.

पत्रांगे कांही माहीती काळीजरी होती, पण कांही आणखी
यतकांहीत भुगत आलेली नाही म्हणून आ पत्रांगे भुगत एका
कमभूत खपर माहीती खपर पाठवली म्हणून विनंती करत
आहे.

✓ (1) ALL INDIA CONSUMER PRICE INDEX.
FROM December 1965 TO June 1966

Memorandum
Reserve bk.
Bombay.

(2) वेजिंगांड इन्डिअन इन्डिअन - हे 5 लाख VPP ने
पाठवावे.

(3) रिझर्व बँक क्लेरीटिंग नोटेस - 1000 - 1000 - वजाणे - 1000 - या -
विषयामध्ये VPP ने पाठवावे.

Original notes

(4) साखर उत्पादक संघ संघी AITUC ने क्लेरीटिंग नोटेस
काढले. त्या काळातचा सुतारा वज्रपा न इन्डिअन काढ
विषयाने रुपये 201. इतकी लवरीत देणे बाबत क्लेरीटिंग नोटेस
काढता विचार करावा.
सुतारानी काढण्यात आहे.
इत्यादी.

आपला
28/10/66
जनरल सेक्रेटरी

फाल्ठण तालुका साखर कामगार युनियन (संघ.),
साखरवाडी (उ. आंध्रप्रा.)

SUGAR MILL RASHTARIYA MAZDOOR CONGRESS

SRI GANGANAGAR (Rajasthan)

शूगर मिल राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस श्री गंगानगर (राजस्थान)

क्रमांक २२/५०

292

दिनांक २२-५-६२

सेवा में

श्रीमान डायरेक्टर इन्चार्ज महोदय,
श्री गंगानगर शूगर मिल,
जयपुर।

निवेदन है कि हम पहले भी भूतपूर्व डायरेक्टर इन्चार्ज, जारल मैनेजर, राजस्थान सरकार, व भारत सरकार का ध्यान अपने पत्रों द्वारा लगभग ४-५-साल से गंगानगर शूगर मिल में हो रहे ठाकौरों रूपया घाटे की तरफ दिलाते चले जा रहे हैं और अब आप की सेवा में श्री एस पत्र द्वारा यह बता देना अति उचित समझते हैं कि इस घाटे का मुख्य कारण शूगर की रिक्वरी है क्योंकि जब से १९६०-६१ श्री वी एम गाडगिल इस मिल में चीफ केमिस्ट के पद पर रखे गये हैं तब से ही यह (चीफ केमिस्ट) अपने काम में लगातार अयोग्य साबित हुए हैं। क्योंकि अच्छी क्वालिटी का गन्ना मिलते हुए भी उस गन्ने में से जितनी शूगर निकालनी चाहिये नहीं निकाल पा रहे हैं जिसके कारण यह मिल दम तोड़ रही है। इस मिल का पुराना रिकार्ड यह साज्जी देता है कि यह अपने काम में कितने अयोग्य सिद्ध हुए हैं। इस मिल की राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस लगातार चार वर्षों से यह मांग करती चली जा रही है कि श्री वी एम गाडगिल को पद मुक्त करके किसी योग्य चीफ केमिस्ट को रखा जाये जो इस मिल की हो रही हानि की पूर्ति कर सके चाहे वेतन ज्यादा क्यों न देना पड़े। श्री वी एम गाडगिल ने अपनी अयोग्यता पर पर्दा डालने के लिए और राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस को सत्म करने के लिए पिछले दिनों केमिनिस्ट यूनियन की भी स्थापना कर दी है और गुप्त रूप से आर्थिक सहायता भी दे रहे हैं। जब से श्री वी एम गाडगिल महोदय, चीफ केमिस्ट के पद पर रखे गये हैं शूगर की रिक्वरी ८ से ऊपर नहीं बढ़ा पाये जबकि पहले चीफ केमिस्ट ६.६६ की रेवेज तक दे कर चले गये हैं। इसलिए शूगर मिल राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए ऐसे अयोग्य व्यक्ति को अब ज्यादा देर बरदाश्त नहीं कर सकती जिसके कारण मजदूर, मिल व देश का नुकसान हो रहा है, क्योंकि मुनाफा से ही मजदूर का सीधा सम्बन्ध है - देश को भी काफी

SUGAR MILL RASHTARIYA MAZDOOR CONGRESS

SRI GANGANAGAR (Rajasthan)

शूगर मिल राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस श्री गंगानगर (राजस्थान)

क्रमिक.....

-२-

दिनांक.....

नुकसान हुआ है। रिक्वरी ६६.६६ से भी ज्यादा आनी चाहिये थी वह घट कर आठ तक आ गई है इस मिल की राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस जो कि मान्यता प्राप्त व ज्यादा मनेजमेन्ट काउंसिल में युनियन का प्रतिनिधित्व भी है। यदि मनेजमेन्ट ने इस मांग को ठुकरा दिया तो मिल को घाटे से बचाने के लिए राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस शान्ती मय ढंग से कोई भी ठोस कदम उठा सकती है और उस कदम की सारी जम्मेवारी मनेजमेन्ट पर होगी।

श्री गंगानगर (राजस्थान)

जनरल सैक्रेटरी

श्री गंगानगर

प्रतिनिधि भेजा गई -

- १- श्री मति इन्द्रा गांधी, प्रधान मन्त्री, भारत सरकार, न्यू देहली।
- २- श्री गुलजारीलाल जी नन्दा गृह मन्त्री भारत सरकार न्यू देहली।
- ३- श्रम मन्त्री भारत सरकार, न्यू देहली।
- ४- आल इण्डिया इन्टर न्यू देहली।
- ५- इण्डियन नेशनल शूगर मिल वर्कर्स फेडरेशन १६ लाजपतराय मार्ग, लखनऊ।
- ६- डा० सम्पूर्णानन्द जी, राज्यपाल राजस्थान जयपुर।
- ७- श्री मुख्य मन्त्री महोदय, राजस्थान, जयपुर।
- ८- इन्डस्ट्री मिनिस्टर श्री मधुरा वास जी माधुर राजस्थान, जयपुर।
- ९- डायरेक्टर इन्चार्ज श्री गंगानगर शूगर मिल जयपुर।
- १०- सैक्रेटरी गंगानगर शूगर मिल जयपुर।
- ११- श्री कुम्भा राम जी जाय, दुर्गापुरा जयपुर।
- १२- राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस राजस्थान शाखा जयपुर।
- १३- श्रम मन्त्री राजस्थान, जयपुर।
- १४- इण्डस्ट्री सैक्रेटरी राजस्थान।
- १५- श्री कलेक्टर साहब, गंगानगर।
- १६- श्री निशान सिंह जी लोकल डायरेक्टर गंगानगर।
- १७- श्री राय बहादुर ठाकुर प्रताप सिंह जी राजस्थान, जयपुर।
- १८- कांग्रेस कमेटी गंगानगर।

२०३/६६

292 कानपुर टेनरी राइड लेदर वर्कर्स यूनियन
کانبور ٹینری اینڈ لیدر وکرس یونین
KANPUR TANNERY & LEATHER WORKERS' UNION
(AFFILIATED TO AITUC & WETU)

President : SHIV SHARMA
Gen. Secy.: MAHESH CHANDRA NIGAM

A. I. T. U. C.
Received 29.5.66
A.I.T.U.C.

12/1, Gwaltofi,
KANPUR

Ref. No.

To:- The Secretary,
New Delhi.

DATED 27th. June 1966

Dear Sir,

This has reference to your letter No.172/S/66 and No.204/S/66 dated 29th. April, 66 addressed to the Minister for Labour, Employment & Rehabilitation, and the Minister for Industry, Government of India, New Delhi.

I shall be most grateful if you will kindly communicate replies received from the above mentioned Ministries, if any. The subject matter of the memorandum is indeed serious enough to be published in the Trade Union Record, and I request you to please induce one of our comrades to take the matter up in Parliament.

The management of Cooper Allen has not ceased from their nefarious activities as we can furnish further evidence of subsequent disasters in the firm.

Kindly pursue the matter with the Government.

I assure you that an investigation will bring to light very serious revelations.

Yours faithfully,

S. Sharma

(President) S. Sharma.

242 =

लेबर यूनियन, बहेड़ी (बरेली)

(केसर शुगर वर्क्स लि०)

रजि० नं० ३४६

1st Nov, 1955.

क्र० सं० २५/६६

REGISTERED TRADE UNION

A. दिनांक 0. 11. 55

Received 620 11/11/55

The Implementation Officer,
(Code of Discipline),
c/o The Labour Commissioner,
Uttar Pradesh,
KANPUR.

Re :- Recognition of the Labour Union, BAHARI,
under the Code of Discipline.

Sir,

On the above subject, we beg to submit as under with the request for an early necessary action in the matter please :-

1. That the Labour Union, Bahari, is a Registered Trade Union under the Trade Unions Act vide Registration No. 346 dated 23rd June, 1947.
2. That at the time of its registration there was no other Trade Union in the Concern known as M/S. Kesar Sugar Works Ltd., Bahari, Dist. Bareilly.
3. That the Labour Union, Bahari, always remained the Majority Union holding 60% to 85% Membership out of the total Labour force employed in the Concern.
4. That in the year 1951, the Labour Union, called a General Strike in the Concern which was declared illegal by the U.P. Government and consequently the Management dismissed 10 workmen active Trade Unionist of the Labour Union and forfeited its recognition under the Code of Discipline.
5. That since 1951, the Labour Union, approached the Management and the State Government for recognition of the Union under the Code of Discipline but we regret that no proper action has so far been taken in the matter of recognition even when the Labour Union is a majority Union in the Concern.
6. That it may be mentioned here that the other Trade Union which is affiliated by the I.M.S. was registered after the registration of the Labour Union, Bahari, but was recognised by the Management and the State Government even when they have never maintained majority of membership.
7. That in view of the above circumstances, the Management of the Concern is treating the members of the Labour Union prejudicially, harrasing them and putting in monetary loss as and when they find way to do so.

P.L.S.

8. That the Management of the Concern has withdrawn the Recognition from the year 1961 and simultaneously withdrawn so many other facilities simply to harm the member workmen of the Labour Union, Baheri, due to which there is great unrest among the workmen on this issue.
9. That under the circumstances, it is requested that proper action may please be taken in the matter so that the Recognition may be granted to us as provided for Recognition of Unions under the Code of Discipline and we are prepared even to get our membership verified as provided in Law.
10. That as requested above, it is hoped that necessary action in the matter would be taken at the earliest to remove the unrest prevailing among the workmen.
11. That it may be mentioned here that the membership of the other Trade Union (IWHU) in the Concern as shown by them is frivolous and which can be ascertained by plaintiffs or Census even as deemed necessary and provided in Law to know the correct position.

Requesting for an early action in the matter please,

Thanking you,


Yours faithfully,
FOR THE LABOUR UNION,

Secretary,

Copy forwarded for favour of information and necessary action to :-

1. The Registrar of Trade Unions, U.P., Kanpur.
2. The Assistant Labour Commissioner, Baherli.
3. The Manager, The Kesar Sugar Mills Ltd., Baheri.
4. The U.P.T.U.C., 12/1 Gwaltoli, Kanpur.
- X 5. The A.I.T.U.C. New Delhi.

लेखनी
लेबर युनियन बहेड़ी
बहेड़ी

From: Yerramilli Narasimha Rao

3-8-1966

Joint Secretary,

Andhra Pradesh Sugar Workers Federation

8/64 Stewartpeta

ITUC
Received 3627
Replied

awaiting your early information regarding cost of living index figures.

PITHAPURAM, F.G. Dist. A.P.

Thanking you.

Yours faithfully
Narasimha Rao

To
The Secretary,
All India Trade Union Congress
New Delhi.

Sr,

I request you to kindly send me information regarding the All India Consumer Cost of Living Index figures from 1965 to July 1966 (both months inclusive) of a classifying D.A. in our sugar as described as per the sugar wage board recommendations.

(2) It also send me the recent meeting of Labour, Management & Govt. regarding the industrial infatuation in sugar industry particularly cost of work of management, management.

because because of the sugar mills here, convert their old machinery into electrical plants and modern labour work more.

So what is the procedure to take as per the discussions on the above subject

done

No. 292/66
26 AUG 1966

The General Secretary,
Phaltan Taluka Sakhar Kargar Union,
Sakharwadi, Dist N. Satara.

Dear Comrade,

Reference your letter No. 765/66 dated 14 July, 1966.

1. All India Consumer Price Index figures are as follows:

1965 December ..	173.	'66 March	174.
1966 January ..	173.	April	175.
February..	174	May	182.
		June	185.

2. We are sending by V.P.P. our Memorandum to the Engineering Wage Board as desired by you.
3. We do not have spare copies of Reserve Bank Bulletin. But you can get them from the Reserve Bank, Bombay.
4. Your proposal regarding the interim relief to the Sugar workers is noted by us.

As we were waiting for the June index the reply to your letter is delayed. The figure was received by us few days back.

With greetings,

Yours fraternally,


Secretary

Sugar 1961

1966

Name of the Company	Paid-up Ord. Cap	Rese rves	Gross Block	Depre ciation	Paid up Ord. Cap	Rese rve	Gross Block	Depre ciation
Balrampur Sugar	1300905	993823	3110427	1927489	1400000	1451417	5205327	2900652
Basti Sugar	(20) (1200000 A) 300000 B)	3605704	6614329	4219339	A1200000 B300000)	4734982	8435645	5839169
Belsund Sugar	2923562	1014682	4844096	2960298	2923562	1101627	6446971	4100803
Bharat Sugar	1500000	1408556	2395027	1595390	1500000	2133420	3387929	2048429
Carew & Co.	1200000	3226224	15127711	10391665	3200000	6000306	9136359	6897781
Kanpur Sugar	3000000	7717253	17606330	10081364	3000000	6679856	23460404	12717352
Champaran Sugar	1800000	4546244	8473277	6452904	1800000	6315768	13033752	7293754
Deoria Sugar	958252	610632	3239842	2022495	-----	-----	-----	-----
Darbhanga Sugar Co. Ltd.	2600000	3158160	7179743	4643855	3301330	3295234	819204	5549629
Hindustan Sugar Mills	6000000	7832000	22919973	11895886	12000000	8125468	26667064	17922562
Kesar Sugar	2250000	2051626	9542352	5758319	3150000	2602172	11966397	7367555
New India Sugar Mills	789100	3031969	6767867	3325497	789100	4570836	6771048	4482822
New Savan	1100000	458234	4929289	2986570	1100000	552498	4627867	3541964
New Swadesi Sugar Mills	1359375	6373211	8362456	3223024	1359375	7135842	9028261	4654441
Oudh Sugar	7752210	8976949	27758474	14952234	7752210	7306549	26053315	18694424
Punjab Sugar Mills Co. Ltd.	1200000	1365315	3756120	2283412	1200000	1090305	4403107	2863904
Purtabore Co.	900000	2302870	5119941	3572535	900000	2208452	6096904	3746211
Rampur Distillery & Chemical Co.	2000000	292000	2530109	1467024	2000000	834618	3450753	1971934
Raja Bulund Sugar	6500000	2738845	8530103	3946664	6500000	4357645	11994425	5396770
Ryam Sugar	800000	630752	2927567	2393295	-----	-----	-----	-----
Samastipur Central Sugar	1199750	1390377	5977917	2793514	1199000	1404877	7210543	3209585
Shri Krishna Gyanoday Sugar	3999000	2962184	13961485	8459146	4000000	2940469	17925923	10842821

Name of the Co.	Paid-up O.Cap	Rese rves	Gross Block	Depre ciation	Paid-up cap	Rese- rves	Gross Block	Depreciation
Sitalpore Sugar	1002115	24660	3618156	1725281	1002115	80565	3975215	2330637
Sri Sitaram Sugar	1589962	1810752	3927180	2285030	-----	-----	-----	-----
Tulsipur Sugar	700035	1042692	2889883	1599355	1400070	1424314	5038477	2615995
Upper Ganges Sugar	800000	4366902	18327976	9743200	800000	9953517	26306221	15708709
United Provinces Sugar	1600000	1815652	4355965	3016621	1600000	1428421	7904251	4258392
Modi Industries Ltd.	-----	-----	-----	-----	9774672	6805404	21697382	10360720
Andhra Sugars Ltd.	3000000	2805000	11399115	3348654	6995898	5589208	40511449	10392809
Cauvery Sugars & Chemicals Ltd.	4000000	1450088	9555530	960276	4000000	2691774	11337327	3709781
Belapur Com.	7049650	15202875	16395390	11068264	7049650	15414034	18661829	12876001
Bhopal Sugar Industries Ltd.	1750000	1667724	4771723	2936495	1750000	1862382	6986420	4189871
Shri Changdeo Sugar	3750000	1913467	8831982	6154483	3750000	7761606	7712991	6283340
Deccan Sugar & Abkhari	3984000	5853634	14532270	7822738	4648000	6219500	19631728	10467478
East India Distilleries & Sugar	£ 1300000	£ 1948862	£ 1990779	£ 1188091	£ 1127170	£ 3193231	£ 6071835	£ 2252617
Gwalior Sugar	1593900	1326242	4872029	3128903	1593900	1827253	7553005	3922638
India Sugar & Refinery	6397650	1521358	8467312	3355723	6397650	1744348	10620780	5867081
Jeypore Sugar	3243250	1518785	15655795	2743633	4383870	4497647	22575535	9491078
K.C.P. Ltd.	5857410	9615290	41759138	7854583	6865140	20985298	69073301	29651510
Kirlampudi Sugar/Mills Ltd.	1700000	624776	7633554	3496271	1700000	274791	9143466	5550047
Maharashtra Sugar Mills	6750000	5972055	15607253	7066935	9450000	5990307	13992375	8073153
Mysore Sugar	2179280	10439034	16327085	10739878	5405340	10624518	22433397	14269171
Nizam Sugar Fy. Ltd.	11006835	11333279	32025300	19292230	11009565	17634660	46075874	26714371
Phaltan Sugar	5000000	5416691	13837313	7764979	5000000	7502973	13008789	609807
Ramnuggr Cane & Sugar	1659820	4747789	8079240	4250099	1659820	6263727	10376921	6509389
Rawalgaon Sugar Farm	(2995750	4447953	15838095	6684343	8000000)	6387974	16763465	10462364
Travancore Sugars	D(400000	2196500	6910952	3356498	D 400000)	1987400	7745750	4182085
Walchandnagar Industries	3000000	13126320	42689605	14610876	3000000	16190752	53556806	26531782
Madura Sugars Ltd.	10100000	-----	-----	-----	15150000	411291	3009116	2271599
Sri Sarvaraya Sugars Ltd.	-----	-----	-----	-----	2000000	2410000	14341412	3976194

Source: Annual Report